Title: Need for creation of a separate Bundelkhund State comprising 16 backward and undeveloped districts of Uttar Pradesh and Madhya Pradesh or providing of special economic package for the development of the region -laid.

श्री राजेन्द्र अग्निहोत्री (झांसी): अध्यक्ष महोदय, सरकार का यह संकल्प है कि उत्तर प्रदेश में उत्तरांचल, बिहार में वनांचल तथा मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़ क्षेत्रों को राज्य का दर्जा प्रदान किया जाएगा। मैं सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के कुछ ऐसे क्षेत्रों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो कि आबादी में, क्षेत्रफल में, औद्योगिक विकास की दृष्टि से, शिक्षा तथा चिकित्सा आदि की दृष्टि से उपरोक्त बनाए जाने वाले नए राज्यों की अपेक्षा काफी पिछड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के इन १६ जिलों को मिलाकर बुंदेलखंड के नाम से पृथक राज्य बनाए जाने की मांग पिछले कई वर्षों से संसद में तथा इन प्रदेशों की विधान सभाओं में उठती रही है। ये क्षेत्र अपनी-अपनी राज्य सरकारों से भी उपेक्षित रहे हैं। सरकार का इन क्षेत्रों के प्रति उपेक्षा का भाव रहा है और आगे भी रहेगा। इस क्षेत्र का समस्त भूभाग प्राकृतिक सम्पदा, खनिज सम्पदा से परिपूर्ण, भौगोलिक दृष्टि से उपयोगी है, संसाधनों से भरपूर होने पर भी ये क्षेत्र पिछड़ गए हैं और आज इन क्षेत्रों की हालत यह है कि यहां की ५० प्रतिशत आबादी को दो समय का भोजन भी नहीं मिल पाता है।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस क्षेत्र के विकास के लिए इसे बुंदेलखंड नाम से अलग राज्य का दर्जा प्रदान किया जाए अथवा सरकार इस क्षेत्र के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा करे।

मैं सरकार से यह भी मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के इन पिछड़े हुए १६ जिलों को मिलाकर एक नए बुंदेलखंड नाम से राज्य बनाने के बारे में केन्द्र सरकार की नीति क्या है, इस संबंध में माननीय गृह मंत्री महोदय सदन में वक्तव्य देने का कष्ट करें।